सर्व रिश्ते-नातों का सुख एक परमात्मा के साथ

भक्ति करते हुए हम सब भी और आजकल जो भक्ति कर रहे हैं वो भी ये चाहते रहे कि भगवान से हमारा गहरा सम्बन्ध जुड़ जाये। गायन करते रहे तुम्ही हो माता पिता तुम्ही हो, तुम्ही हो बन्धु सखा,तुम्ही हो। संस्कृत में भी आ गया श्लोक। त्वमेव माताश्च पिता त्वमेव... तो हम सर्व सम्बन्ध भगवान से जोड़ने के इच्छुक तो रहे पर उसका मार्ग नहीं पता था। जब वो स्वयं इस धरा पर आये तो उन्होंने सहज मार्ग दिखा दिया। छोटी-सी अनुभव की कहानियों की बात आपके सामने है- श्रीकृष्ण के लिए लोग बहुत कुछ बोलते हैं, जो उसके बारे में बहुत गुह्य रहस्य को नहीं जानते। श्रीकृष्ण गोपियों के साथ रास लीला करता है, मक्खन चोरी करता है, उनकी मटकियां तोड़ता है। हालांकि इनके अलौकिक रहस्य हैं। लेकिन ये सब था कि भगवान अपने भक्तों को प्यार की अनुभूति करा रहा था। उन्होंने मांगा था पूर्व जन्म में कि जब आप इस धरा पर आओ तो हमें प्यार ही प्यार चाहिए। तो उसकी कुछ समय अनुभूति करा दी।

हम सब भी भगवान से कहते थे ना आप इस धरा पर आओ तो हम आपसे सर्व नाते जोड़ेंगे। हम केवल आपकी ही बात सुनेंगे, आपकी ही मत पर चलेंगे, आपको ही अपनी बुद्धि और दिल में बसायेंगे। अभी वो आ गये, उन्होंने विधि बता दी है। देखिये परमपिता तो वो हम सबके हैं। अब वे आये हैं विशेष रूप से परम शिक्षक बनकर। जिसकी कल्पना किसी को नहीं थी कि भगवान आयेगा और पढ़ायेगा। हम सबने उनसे ही पढ़ा है। परम शिक्षक सुप्रीम टीचर जिससे बड़ा टीचर कोई नहीं। जिसके पढ़ाने की विधि अलौकिक, जो हमारे सोये हुए देवत्व को जगा देता है। और तीसरा सम्बन्ध है परम सद्गुरू का। हमें राह दिखाई उन्होंने इस रूप से, राजयोग सिखाया, महामंत्र दिया। मुक्ति और जीवनमुक्ति का वरदान दे दिया। वहाँ जाने की सहज विधि बता दी। मात पिता, माँ का सम्बन्ध। उसने हमें ब्रह्मा के द्वारा एडॉप्ट कर लिया। अपना बच्चा बना लिया और माँ के रूप में बहुत प्यार दिया। वो हमारा बच्चा भी बनते हैं। कहते, मैं तुम्हारा बालक भी हूँ, तुम मुझे अपना वारिस बनाओ तो मैं तुम्हें सबकुछ दूंगा, मैं अपना तुम पर सबकुछ बलिहार कर दूंगा। वो हमारे सखा और बंधु बनते हैं। आओ मेरे साथ खेलो, मेरे से बात करो। मैं तुम्हारा खुदा दोस्त हूँ। अच्छे अनुभव हैं इसके। वो हमारा प्रियतम भी बनते हैं। प्रियतम का सम्बन्ध कोई स्त्री से ही नहीं है। आत्माओं का प्रियतम। परम आत्मा। और वो कहते हैं, तुम मुझे अपना प्रियतम बनाओ, साजन बनाओ मैं तुम्हारा श्रृंगार करूंगा। तुम्हें मोस्ट ब्यूटीफुल बना दूंगा। तुम्हारी पर्सनैलिटी को बहुत पवित्रता से भरपूर, शक्तियों से, गुणों से भरपूर कर दूंगा और तुम्हें अपने साथ ले चलूंगा।

सर्व सम्बन्ध वे हमसे जोड़ रहे हैं। और भी जो सम्बन्ध हैं दुनिया में वो कहते हैं सारे मेरे से जोड़ो तो तुम्हारी बुद्धि का भटकना भी समाप्त हो जायेगा। और मेरे से तुम्हें भिन्न-भिन्न अनुभूतियां भी होंगी। अब हो क्या रहा है कि इस संसार में, बहुत सारे मनुष्य, बहुत सारे क्या लगभग अनेक सम्बन्धों के झंझटों में उलझे हुए

हैं। माँ-बाप ने बच्चे पैदा कर दिए अब उनकी सम्भाल। फिर उनको पढ़ाना, उनकी बीमारियों का ख्याल करना, इलाज कराना, उनकी शादियां, कराना, फिर उनके हिस्से बंटवाना। फिर कोई लड़ाई झगड़ा कर रहे हैं, किसी को ज़्यादा मिल रहा है, किसी को कम मिल रहा है। किसी की शादियों में कठिनाई हो रही है। तो मनुष्य नातों में उलझ जाता है। मातायें दूसरों को सुनाती हैं आप बीती। हल्की हो जाती हैं सुना-सुनाकर। पर क्या करे वो हम जानते हैं, कहती हैं कि हम क्या करें जब मन भारी हो जाता है तो अपनी सखियों को सुनाकर हल्की हो जाती हैं। लेकिन कहीं-कहीं सखियां सुनकर भारी हो जाती हैं। इस बेचारी के साथ क्या हो रहा है। तो ये सम्बन्ध आजकल बहुत बड़े बन्धन बन चुके हैं। क्योंकि धन का स्वार्थ, धन का लोभ, उसका अहम, उसके मनोविकार, अनके समस्यायें गृहस्थ में पैदा कर रहे हैं। पहले जैसा गृहस्थ अब नहीं रहा। इतने सालों में खेल ही बिगड़ गया है संसार का।

अब जो ये मन भटक गया है नातों-रिश्तों में, इस मन को एकाग्र करना है। लौकिक सम्बन्धों का हाल सबने अनुभव कर लिया। जो अपने थे उनसे कितना कष्ट मिला। जिन पर सब जी जान और सबकुछ उड़ेल दिया, जिनको अपना समझा था वो पराये हो जाते हैं। कई तो अकेले हो जाते हैं अंत तक। कोई पूछने वाला नहीं रहता। सबकी बात नहीं है कुछ लोगों की ये समस्या हमारे देश में बढ़ती जा रही है।

तो हमें भगवान से अपने सब नाते जोड़ने हैं और उनसे सभी सम्बन्धों का रस सुख प्राप्त करना है। उनसे यदि हमारे सब सम्बन्ध होंगे तो यहाँ के सांसारिक सम्बन्ध भी सुखदाई हो जायेंगे। ये जो बैलेन्स है, ये जो रहस्य है इसको समझ लें थोड़ा। परमपिता भगवान मेरा पिता है, इसी स्मृति में, खुमारी में रहने लगें, नशे में रहने लगें। जिसको संसार भगवान कहता है वो अब मेरा है। इसलिए हमारे यहाँ एक ही शब्द प्रचलित करा दिया शिव बाबा ने- दिल से कहो मेरा बाबा, नाता जुड़ गया। हम उसके परिवार बन गये हैं। गाने के लिए नहीं है, वो गॉड फादर है। गॉडली फैमिली में आ गये। हमारे परिवार का हेड स्वयं भगवान हो गया। कितना सहज परिवार हो जायेगा, कितना सहज जीवन हो जायेगा इस नशे में, इस खुमारी में यदि हम रहेंगे तो।

हमें एक-दो के बहुत समीप आ जाना है। बिल्कुल इस स्मृति को बढ़ाते चलना है। मैं उसका हूँ/उसकी हूँ करके देखना सुख मिलेगा। इससे पिता की अनुभूति, पिता की पालना का सुख, बहुत सुन्दर प्राप्त होगा। और हमें श्रेष्ठ कमाई का उसने मार्ग दिखा दिया है। हम कितने खुशनसीब हैं। वो हमारे लिए स्वर्ग की राजाई लेकर आया है। बाबा कहते कि हथेली पर तुम्हारे लिए स्वर्ग लेकर आया हूँ। इस खुमारी, इस नशे में रहेंगे जीवन सुखों का भंडार बन जायेगा।

मण्डला-म.प्र.। जिले के भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.डी. शर्मा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके, मण्डला लोकसभा प्रत्याशी फग्गन सिंह कुलस्ते आदि गणमान्य लोगों से मुलाकात कर ब्रह्माकुमारीज़ की मण्डला क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. ममता दीदी एवं पड़ाव वार्ड सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. ओमलता दीदी ने उन्हें होली की शुभकामनाएं देते हुए टीका लगाया तथा ईश्वरीय सौगात भेंट कर मुख्यालय माउण्ट आबू आने का निमंत्रण दिया।

धमतरी-छ.ग.। लोक सभा सांसद प्रत्याशी,पूर्व गृह राज्यमंत्री ताम्रध्वज साहू ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर राजयोगिनी ब्र.कु. सरिता दीदी से आशीर्वाद लेने पहुंचे। उनके साथ विधायक ओंकार साहू, महापौर विजय देवांगन, प्रखर समाचार पत्र सम्पादक दीपक लखोटिया, विपिन साहू दुग्ध संघ अध्यक्ष, लेख राम साहू पूर्व विधायक, आनंद पंवार कांग्रेस नेता, एकता टीवी चैनल से छाबड़ा जी, महेश साहू, बाकडे जी, कामिनी कौशिक आदि उपस्थित रहे।

जालंधर-52,ग्रीन पार्क(पंजाब)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शिव ध्वजारोहण करते हुए हरप्रीत सिंह,चेयरमैन ऑफ सी.टी. ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन,जालंधर, श्रीमती परमिंदर कौर,को-चेयरमैन ऑफ सी.टी. ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन,जालंधर, अमरजीत सिंह अमरी,बीजेपी लीडर,जालंधर, सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रेखा बहन तथा अन्य। कार्यक्रम में 400 से अधिक भाई-बहनें शामिल रहे।

विदिशा-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा गुलाबगंज में आयोजित 'अलौकिक होली स्नेह-मिलन समारोह' को सम्बोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राकेश कटारे। साथ हैं ब्र.कु. रेखा बहन, ब्र.कु. रुक्मणि बहन, अरुण खैरा तथा अन्य।

कैमोर-कटनी(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा साइंस कॉलेज कैमोर में विद्यार्थियों के लिए आयोजित 'मेमोरी पॉवर' कार्यक्रम के पश्चात् कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. महेश सोनी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. नारायण भाई। इस मौके पर ब्र.कु. ज्योति बहन व ब्र.कु. दीपा बहन उपस्थित रहे।

मॉस्को-रशिया। इरकुत्स्क क्षेत्रीय कला संग्रहालय द्वारा 'आर्ट ऑफ लिविंग' नामक प्रोजेक्ट दो स्तरों में चलाया गया। जिसमें पहले स्तर में आध्यात्मिक विषयों पर साप्ताहिक भाषण एवं सेमिनार किया गया। हर महीने ब्रह्माकुमारीज़ राजयोगा सेंटर द्वारा दो घंटे का कार्यक्रम रखा गया जिसमें सकारात्मक सोच, स्वयं की शक्तियां, विचार शक्ति एवं आत्मा-परमात्मा के बारे में बताया गया। दूसरे स्तर में प्रथम स्तर के परिणामस्वरूप चुने गए प्रतिभागियों को उनके स्वप्न पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित किया गया एवं मदद की गई। कार्यक्रम के दौरान समूह चित्र में बायें से इरिना ग्रेबनेवा,आर्किटेक्टर,आर्टिस्ट, ल्युदमिला खोरोशुतिना,इन-चार्ज ऑफ ब्रह्माकुमारीज़ राजयोगा सेंटर,इरकुत्स्क, तात्याना इवानोवा,डिज़ाइनर,ओनर ऑफ फैशन स्टूडियो, तात्याना,प्रोमोटर ऑफ ऑनलाइन नीडलवर्क प्रोजेक्ट्स, नतालिया कुज़नेत्सोवा,इकोनॉमिस्ट,बैंक एम्प्लॉयर,प्रोमोटर ऑफ वैल्यूज़ प्रोजेक्ट्स फॉर चिल्ड्रेन एंड वेजिटेरियन प्रोजेक्ट्स, मार्गेरिटा मार्त्सिनेचको,हेड ऑफ द डिपार्टमेंट ऑफ द इनफॉर्मेशन एंड एजुकेशनल सेंटर 'रशियन म्यूज़ियम' ऑफ द इरकुत्स्क रिजनल आर्ट म्यूज़ियम,मेम्बर ऑफ द यूनियन ऑफ आर्टिस्ट्स ऑफ रशिया एंड द इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ फाइन आर्ट्स यूनेस्को,लॉरिएट ऑफ द इरकुत्स्क रीजन गवर्नर्स अवॉर्ड।

कटनी-म.प्र.। जिला न्यायाधीश धर्मिंदर सिंह राठौर को ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् उनके साथ समूह चित्र में कटनी सिविल लाइन सेवाकेंद्र से ब्र.कु. लक्ष्मी बहन, ब्र.कु. सविता बहन, ब्र.कु. सुमन बहन, ब्र.कु. नेहा बहन, ब्र.कु. ज्योति बहन एवं सोमती माता।

जालंधर-पंजाब। सुप्रसिद्ध कथावाचक जयाकिशोरी जी के शहर में आगमन पर उनके साथ ईश्वरीय ज्ञान चर्चा के पश्चात् उन्हें ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. संधीर बहन व ब्र.कु. विजय बहन। साथ हैं ब्र.कु. डॉ. रतन लाल एवं ब्र.कु. कृष्ण मिगलानी।

मुरादाबाद-उ.प्र.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ के सिविल लाइंस सेवाकेंद्र में आयोजित कार्यक्रम में गायनेकोलॉजिस्ट एवं काउंसलर पूर्व अध्यक्ष एवं सचिव आई.एम.ए. की बबिता गुप्ता, ज्योति चौधरी,एंटी रोमियो स्क्वाड, नीतू सक्सेना,विधिक सदस्य, ब्र.कु. अल्का दीदी, ब्र.कु. आशा दीदी,सेवाकेंद्र संचालिका, ब्र.कु. शीला दीदी तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

छानी-राज.। महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित हैं स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. कुसुम बहन, साहवा सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. भगवती बहन, सरपंच नथु मान तथा अन्य।